

LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

Monday, December 22, 2003/Pausa 1, 1925(Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(MR.SPEAKER in the Chair)

...(व्यवधान)

Title: Need to fix the minimum support price for sugarcane.

कुँवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : माननीय अध्यक्ष जी, इसी सदन में माननीय मंत्री जी ने गन्ने के समर्थन मूल्य के संबंध में घोणा की थी। **â€**(व्यवधान) कृि मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। **â€**(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, मैंने क्वैश्चन आवर सस्पैन्ड करने का नोटिस दिया है। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सब बैठिये। मैं आपको एक एक मिनट दे रहा हूँ।

...(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने इसी सदन में आश्वासन दिया गया था कि हज यात्रियों के संबंध में आज ही फैसला हो जाएगा। अब केवल तीन दिन रह गए हैं। 24 तारीख को पहला जहाज़ जा रहा है लेकिन आज तक हज यात्रियों को पता नहीं है कि उनको किस हालत में जाना पड़ेगा, कहां से जाना पड़ेगा। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने सदन में कहा था कि वह कैबिनेट में जाकर इस विाय पर पूछेंगे। हम ज़ीरो आवर में इस बारे में बात करेंगे।

...(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी से इस बारे में बयान दिलवाइए। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ज़ीरो आवर में, मंत्री जी यहां आएंगे और कैबिनेट में क्या हुआ इस विाय पर कोई निर्णय हुआ, वहां जो कुछ हुआ है, वह बताएंगे।

â€(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : कुँवर अखिलेश सिंह जी, आप बोलिये। बाकी सदस्य बैठ जाएं। कुँवर जी, केवल एक मिनट में आपको समाप्त करना पड़ेगा।

â€(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा कि माननीय मंत्री जी ज़ीरो आवर के समय आएँ और आपके विाय का जवाब दें।

...(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अगर ज़ीरो आवर ही न हुआ तो?

अध्यक्ष महोदय : आप ऐसा हाइपोथैटिकल प्रश्न कैसे पूछ सकते हैं? मैंने मंत्री जी से कहा है।

...(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : मैं इसलिए कह रहा हूँ कि 24 तारीख को उनका पहला जहाज़ जा रहा है। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने कह दिया है और मंत्री जी ने सुना भी है।

...(व्यवधान)

(i) Re: Need to fix the minimum support price for sugarcane

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : भारत सरकार के कृषि मंत्री और खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कार्य स्थगन प्रस्ताव के संबंध में इस सदन में बताया था कि जो कृषि लागत मूल्य आयोग है, उस कृषि लागत मूल्य आयोग ने 73.50 रुपये गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का निश्चय किया है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एक मिनट रुकिये। इस बारे में खाद्य मंत्री जी जवाब देंगे। मैंने खाद्य मंत्री को मैसेज दिया है।

कुंवर अखिलेश सिंह : आपने मुझे एक मिनट का समय दिया है, जो बहुत कम है। आप मेरी बात सुन लीजिए। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी बात ज़ीरो आवर में कहें। मंत्री जी यहां नहीं हैं, फिर आप बोलने का आग्रह क्यों करते हैं?

कुंवर अखिलेश सिंह : यह बहुत ही गंभीर विषय है। किसानों का गला घोंटा जा रहा है। किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। (व्यवधान)

SHRI ADHIR CHOWDHARY (BERHAMPORE, WEST BENGAL): Sir, I have also given notice. ... (Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir ... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं किसी माननीय सदस्य का नोटिस नहीं ले रहा हूँ। आप लोग बैठिये।

कुंवर अखिलेश सिंह : अभी तक गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय नहीं किया गया है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं खाद्य मंत्री को बुला रहा हूँ। उस समय आप कहें, जो कुछ कहना चाहते हैं। अभी बोलने से सदन का समय व्यर्थ जाएगा।

कुंवर अखिलेश सिंह : मैं सदन का समय बर्बाद नहीं कर रहा हूँ, यह पूरे देश के किसानों के सामने गंभीर समस्या है।

अध्यक्ष महोदय : इसीलिए मैंने मंत्री जी को बुलाने की बात कही है। मंत्री जी उस समय फ्री होंगे तो सदन में आएंगे, नहीं तो कल यहां आकर जवाब देंगे।

...(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : यह गन्ना किसानों के साथ धोखाधड़ी है और देश के चीनी मिल मालिकों का सरकार पक्ष ले रही है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका कोई नोटिस भी नहीं है। आप बैठिये।

कुंवर अखिलेश सिंह : कृषि मंत्री जी ने स्पष्ट कहा था कि गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य की रिकमंडेशन कर चुके हैं। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री ने इसी सदन में कहा था। यह देश के करोड़ों किसानों का मामला है। उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के किसानों का मामला ही नहीं, पूरे देश के किसानों का मामला है। आज 22 तारीख हो गई और अभी तक गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा नहीं की गई है। इस सदन में मंत्री जी द्वारा स्पष्ट तौर पर आश्वासन दिया गया था। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज़ बैठिये, अभी मंत्री जी खड़े हैं, आप उनको सुनिये।

...(व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। पिछले सप्ताह खाद्य मंत्री जी ने कहा था कि दो-तीन दिन के अंदर इस संबंध में अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। खाद्य मंत्रालय ने अपना प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया था, लेकिन उसमें यह बात सामने आई है कि कई राज्यों के रिप्रेजेंटेटिव्स भी खाद्य मंत्रालय को प्राप्त हुए हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक था। इसलिए कैबिनेट ने यह फैसला किया कि माननीय वित्त मंत्री जी और खाद्य मंत्री जी जल्दी ही इस संबंध में अंतिम निर्णय ले लें ताकि शुगरकेन की स्टेचुटरी मिनिमम प्राइस जल्दी ही घोषित किए जा सकें। मेरा विश्वास है कि इसी सप्ताह में निश्चित रूप से उसकी घोषणा कर दी जाएगी। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इस विषय पर अभी कोई चर्चा नहीं हो सकती। कृपया आप बैठ जाइए।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please do not make me to be very strict with you.

...(Interruptions)

SHRI ADHIR CHOWDHARY : I have given a notice.

MR. SPEAKER: Please do not shout like that. Otherwise, I will take very strict decisions. What is there in it that you shout like this?

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : यह नियम नहीं है कि मैं हर माननीय सदस्य को बोलने की इजाजत दूँ। जब मैं सोचता हूँ कि कोई विषय गंभीर है और उस पर मंत्री जी का उत्तर

आना चाहिए तभी मैं मंत्री जी को उत्तर देने के लिए कहता हूं।

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): I have given the notice of an Adjournment Motion.

अध्यक्ष महोदय : मुझे मालूम है, यहां एडजर्नमेंट मोशन की ही बात चल रही है।

â€ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठ जाइए।

SHRI RAM VILAS PASWAN (HAJIPUR): I have given the notice for suspension of the Question Hour....(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : अगर आप हर विषय पर अभी चर्चा करेंगे तो जिन लोगों ने दो या तीन सप्ताह पहले नोटिस दिए हैं, उनका क्या होगा?

â€ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया अभी आप बैठ जाइए, मैं आपको बाद में बोलने की इजाज़त दूंगा।

â€ (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, हमारा क्या होगा?â€ (व्यवधान) प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि हिन्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है और हिन्दी बोलने पर मारा जा रहा है।â€ (व्यवधान)